(f) and (g) Yes Sir. steps have been taken to improve the availability of man-made fibres to enable mills to take up blending with cotton.

विद्युत करघा क्षेत्र में रोजगार और पूंजी निवेश

2767. **श्री राम जेठमलानी :**
डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कार्य कर रहे लगभग 12 लाख विद्युत करघों पर लगभग 60 लाख श्रमिक कार्यरत हैं और देश के कुल वस्त्र उत्पादन का 72 प्रतिशत भाग उनके द्वारा उत्पादित होता है ।

(ख) यदि नहीं तो, इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ग) वस्त्र उद्योग मे निवेशित कुल पूंजी का कितना प्रतिशत विद्युत-करघा क्षेत्र में लगा हुआ है तथा मार्च, 1993 में निवेशित पूंजी की मात्रा कितनी थी ;

(घ) क्या यह भी सच है कि सरकार द्वारा इस क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रमिकों के लिए एक बीमा योजना आरंभ की गई थी :

(ङ) यदि हां, तो इस योजना के अंतर्गत दिसम्बर, 1993 तक कितने प्रतिशत श्रमिक लाभान्वित हुए हैं ;

(च) विद्युत करघा उद्योग के विस्तार और विकास के लिए देश में विद्युत सेवा केन्द्र स्थापित करने की सरकार की क्या योजनाएं हैं ; और

(छ) देश में दिसम्बर, 1993 तक ऐसे कुल कितने केन्द्र स्थापित किए गए थे और प्रत्येक केन्द्र की स्थापना और संचालन के लिए कितना-कितना धन व्यय किया जा रहा है और प्रत्येक केन्द्र द्वारा औसतन कितनी विद्युत करघा इकाइयों को लाभान्वित किया जा रहा है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी) : (क) जी, हां ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) विद्युत करघा पूर्णत: विकेन्द्रीकृत क्षेत्र में है और क्षेत्र में सरकार का कोई भी पूंजी निवेश नहीं है ।

(घ) जी, हां ।

(ङ) दिसम्बर, 1993 तक इस योजना के अन्तर्गत 46241 कामगारों का बीमा किया गया है ।

(च) सरकार का प्रतिवर्ष 4 नये विद्युतकरघा सेवा केन्द्र खोलने का प्रस्ताव है ।

(छ) दिसम्बर, 1993 तक देश में कुल विद्युत करघा सेवा केन्द्रों की संख्या 34 थी । प्रत्येक विद्युत करघा सेवा केन्द्र को प्रतिवर्ष 3 लाख रु० प्रारम्भिक पूंजी व्यय तथा 4.5 लाख रु० का आवर्ती अनुदान का आवंटन किया जाता है । विद्युत करघा सेवा केन्द्रों की सेवायें उस क्षेत्र में अवस्थिति विद्युत करघों को उनकी आवश्यकतानुसार उपलब्ध होती है ।

उत्तर प्रदेश में जनता कपड़े का उत्पादन

2768. **चौधरी हरमोहन सिंह :** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश में जनता कपड़े के उत्पादन के लिए वर्ष 1991-92 के दौरान वर्ष 1989-90 और 1990-91 की तुलना में उत्पादन लक्ष्य कम रखा गया है ;

(ख) यदि हां, तो उत्पादन का लक्ष्य कम निर्धारित करने के क्या कारण हैं; और

(ग) क्या यह भी सच है कि गत वर्ष अर्थात् 1991-92 के दौरान उत्पादन

निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप नहीं किया गया है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी) : (क) जी, हां।

(ख) देश में जनता कपड़े के कुल 600 मिलियन वर्ग मीटर के लक्ष्य को घटा कर 400 मिलियन वर्ग मीटर करने के परिणाम स्वरूप उत्तर प्रदेश में जनता कपड़े के उत्पादन का लक्ष्य 1989-90 में और 1990-91 के 132 मिलियन वर्ग मीटर के लक्ष्य की तुलना में 1991-92 में लक्ष्य घटा-र 100 मिलियन वर्ग मीटर किया गया।

(ग) उत्तर प्रदेश में वर्ष 1991-92 के दौरान 100 हिमलियन वर्ग मीटर के लक्ष्य की तुलना में 97.82 मिलियन वर्ग मीटर कपड़ा तैयार किया गया।

12-00 NOON

The Deputy Chairman in the Chair.

PAPERS LAID ON THS TABLE

I Report and Accounts (1992-93) of Central Silk Board, Bangalore.

II. Report and Accoants (1932 93) of the Wool and Woollens Export Promotion Council, New Delhi.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY. Madam I lay on the Table—

(I) (1) A copy each (in English and Hindi) of the following papers, under sub-section (4) of section 12 and 12(A) of the Central Silk Board Act, 1948:—

(i) Annual Report of the Central Silk Board, Bangalore, for •he year 1992-93.

(ii) Annual Accounts of the Central Silk Board, Bongalore, f ti- the year 1992-93 and the Audit Report thereon.

(iii)Review by Government on the working of the above Board.

(2) Statement (in English and Hindi) giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at (1) above.

II. A copy each (in Engiish and Hindi) of the following papers:—

(i) Twenty-eighth Annual Report and Accounts of the Wool and Woollens Export Promotion Council, New Delhi, for the year 1992-93, together with the Auditors' Report on the Accounts.

(ii) Review by Government on the working of the above Council.

(iii) Statement giving reasons. for the delay in leying the papers mentioned at (i) above.

MESSAGES FROM THE LOK SABHA

I. The Manipur Appropriation Bill, 1994.

II. The Manipur Approry ation .Vote on Account) Bill, 1994.

III. The Jammu and Kashmir Appro pristion Bill 1991,

IV. The Jammu and Kashmir Appro priation (Vote on Account) Bill. 1994.

SECRETARY-GENERAL: Madam, I have to report to the House the following messages received from the Lok Sabha, signed by the Secretary-General of the Lok Sabha:—

(I)

"In accordance with the provisions of rule 96 of the Rules of